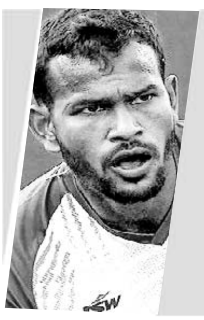

एक मैच के निलंबन के कारण मुझे सेमीफाइनल मैच से बाहर होने का मलाल है। ये काफी अहम मैच था। पूरा देश और मेरे साथी खिलाड़ी मेरे साथ थे। टीम ने कभी भावनात्मक रूप से बाहर होने नहीं दिया। मेरा ध्यान बस अगले मैच पर था। - अमित रोहिदास

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, अपने बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — बखोदिर जलोलोव

उज्बेकिस्तान के बखोदिर जलोलोव ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के 92 प्लस किग्रा वर्ग के मुक्केबाजी फाइनल में स्पेन के अयूब गदफा ड्रिसी एल आइसाउई को हराया। रोलैंड-गैरोस स्टेडियम में देर रात बखोदिर जलोलोव ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए स्पेन के मुक्केबाज को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बखोदिर जलोलोव का यह ओलंपिक में दूसरा स्वर्ण पदक है। मुकाबला जीतने के बाद जलोलोव ने कहा, यह उज्बेकिस्तान के लिए इतिहास है और मैं भावुक हूं क्योंकि दो बार ओलंपिक चैंपियन बनना मेरा सपना था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

विनेश फोगाट से पहले एना बारबोसु खिलाड़ी को मिला सीएएस से न्याय

नई दिल्ली, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 शुरू से ही किसी ना किसी कारण चर्चा में रहा। वहीं ओलंपिक 2024 में भारतीय स्टार रेसलर विनेश फोगाट को 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण फाइनल से बाहर कर दिया गया था।

ऐसे में उनसे मेडल छिन गया। जिसके बाद विनेश ने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में केस किया, जिसकी सुनवाई हो चुकी है लेकिन फैसला आने में अभी भी समय लगेगा। दरअसल, सीएएस ने पहले फैसला 11 अगस्त के लिए टाला था जिसके बाद एक बार फिर फैसला टालते हुए 13 अगस्त का दिन फैसले के लिए तय किया गया है। लेकिन इससे पहले ने रोमानिया की जिम्नास्ट एना बारबोसु को अच्छी खबर दी है। जिम्नास्टिक के फ्लोर इवेंट में एना ने हारकर भी ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। साथ ही कोर्ट ने अमेरिका की जिम्नास्ट जॉर्डन चाइल्स से ब्रॉन्ज मेडल छीन लिया है। बता दें कि, इवेंट में जॉर्डन तीसरे और एना चौथे नंबर पर रही थीं।

बता दें कि, इवेंट के फाइनल राउंड में जॉर्डन ने 13.766 स्कोर के साथ तीसरे नंबर पर रहते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। जबकि एना का स्कोर 13.700 रहा था और वो चौथे नंबर पर रही जिस कारण वह बाहर हो गई थीं। एक तरह से उन्हें हार मिली थी। के फैसले केबाद रिजल्ट को पूरी तरह से बदला गया। मैच में हार के बाद एना बारबोसु और उनकी टीम ने में केस दायर किया था। उन्होंने कहा कि जॉर्डन चाइल्स को गलत तरीके से पॉइंट्स दिए गए हैं। जिस कारण वो तीसरे नंबर पर रहीं।

सभी राजनीतिक दल विनेश को राज्यसभा भेजने पर फैसला लें : अजय

भिवानी, 11 अगस्त। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने रविवार को कहा कि सभी राजनीतिक दलों को पहलवान विनेश को राज्यसभा भेजने पर सर्वसम्मति से फैसला लेना चाहिए और इसके लिए जजपा तैयार है। भिवानी जिले के गाँवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान श्री चौटाला ने कहा कि विनेश का विषय देश की भावना से जुड़ा है इसलिए इस पर राजनीति करना उचित नहीं है। जजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी हर रोज नई-नई घोषणाएं करके जनता को गुमराह कर रहे है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कांग्रेस भी चुनाव के समय झूठी घोषणाएं करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। ओलिम्पिक में फाइनल में पहुँचने के बाद वज़न मामूली ज्यादा होने के कारण अयोग्य करार दी गई पहलवान विनेश को राज्यसभा भेजने की बात सबसे पहले नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कही थी। उन्होंने कहा था कि यदि कांग्रेस के पास बहुमत होता तो विनेश को राज्यसभा भेजते। उन्होंने यह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उस बयान पर प्रतिक्रिया स्वरूप कहा था जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि विनेश को वह सब सुविधाएं और सम्मान हरियाणा सरकार देगी जो रजत पदक विजेता को दी जाती हैं।

पेरिस ओलंपिक खेलों में अमेरिका नंबर वन

पेरिस, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में पदकों का शतकवीर अमेरिका ने 126 पदकों के साथ अपना नंबर वन का रूतबा कायम रखा। वहीं 91 पदकों के साथ चीन दूसरे स्थान पर है। अमेरिका ने 40 स्वर्ण, 44 रजत और 42 कांस्य सहित कुल सर्वाधिक 126 पदक जीते है और वह पदक तालिका में शीर्ष पर। वहीं चीन सर्वाधिक 40 स्वर्ण, 27 रजत और 24 कांस्य पदकों सहित कुल 91 पदक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसके बाद तीसरे स्थान पर जापान ने 20 स्वर्ण , 12 रजत एवं 13 कांस्य पदक के साथ कुल 45 पदक जीते। चौथे पायदान पर रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कुल 53 पदक जीते जिनमें 18 स्वर्ण , 19 रजत एवं 16 कांस्य पदक है।

इसी तरह मेजबान फ्रांस 16 स्वर्ण , 25 रजत एवं 22 कांस्य पदक के साथ कुल 64 पदकों के पांचवे स्थान पर रहा। छठे स्थान पर रहते हुए नीदरलैंड ने 15 स्वर्ण , सात रजत एवं 12 कांस्य पदक के साथ कुल 34 पदक जीते। ब्रिटेन 14 स्वर्ण 22 रजत एवं 29 कांस्य पदक के साथ 65 पदक जीतकर सातवें स्थान पर, दक्षिण कोरिया 13 स्वर्ण, नौ रजत एवं 10 कांस्य पदकों के साथ कुल 32 पदकों के साथ आठवें स्थान पर रहा। इटली 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं 15 कांस्य पदकों के कुल 40 पदक जीतकर नौवें स्थान एवं जर्मनी 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं आठ कांस्य के साथ कुल 33 पदक जीतकर दसवें स्थान पर रहा। भारत पदक तालिका में कुल छह पदकों के साथ 71वें स्थान पर रहा है। भारत ने एक रजत एवं पांच कांस्य पदक जीते है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को कुल सात पदक मिले थे।

भारत के लिए पेरिस 2024 में निशानेबाजी में मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग में कांस्य पदक जीतकर देश को पहला पदक दिलाया। इस तरह वह ओलंपिक निशानेबाजी में भारत की पहली पदक विजेता बन गईं। फाइनल में वह दक्षिण कोरिया की ओह ये जिन और किम येजी से पीछे रहीं। मनु भाकर ने पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन खेलों में इतिहास रच दिया और वह एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के कुछ दिनों बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन दोनों ने टीम पदक के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वियों को हराया।

इसी तरह निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस 2024 में भारत के लिए तीसरा पदक जीता। इसी के साथ भारत ने ओलंपिक में किसी एक संस्करण में देश के लिए शूटिंग में सबसे अधिक पदक जीते। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन तीन पदकों ने लंदन 2012 में निशानेबाजी में जीते गए भारत के दो पदकों के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, यह ओलंपिक में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन शूटिंग इवेंट में पहला पदक था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा पदक जीता। यह भारतीय हॉकी का 1968, 1972 और 2020 खेलों के बाद चौथा ओलंपिक कांस्य पदक था और उनका कुल मिलाकर 13वां ओलंपिक पदक। पेरिस में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह कुल दस गोल किए।

मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष भाला फेंक फाइनल में अपने टोक्यो 2020 खिताब का बचाव करने से ज़रूर चूक गए लेकिन 89.45 मीटर का थ्रो करके रजत पदक जीता, जो उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। वह ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले स्वतंत्र भारत के पहले ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बन गए। अमन सहरावत ने पेरिस 2024 में पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा में भारत के लिए लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीता। भारतीय पहलवान ने कांस्य पदक मुकाबले में प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज को 13-5 से हराया। कांस्य पदक मैच से पहले अमन ने पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जिसमें पूर्व विश्व चैंपियन अल्बानिया के ज़ेलिमखान अबकारोव पर जीत भी शामिल थी। 21 साल 24 दिन के अमन सहरावत ओलंपिक में भारत के सबसे कम उम्र के पदक विजेता रहे।

पेरिस ओलंपिक खेलों में सर्वाधिक 40 स्वर्ण पदक के साथ चीन का दबदबा रहा

पेरिस, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में चालीस स्वर्ण पदक के साथ चीन ने दबदबा कायम रखा वहीं अमेरिका 38 स्वर्ण पदक के साथ दूसरे स्थान रहा। वहीं कुल पदकों के मामले में अमेरिका 124 पदकों के साथ एकमात्र शतकवीर रहा। चीन ने पेरिस खेलों में सर्वाधिक 40 स्वर्ण, 27 रजत और 24 कांस्य पदकों सहित कुल 91 पदक जीते है। इसी तरह अमेरिका 38 स्वर्ण, 44 रजत और 42 कांस्य सहित कुल सर्वाधिक 124 पदक के साथ पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा।

इसके बाद तीसरे स्थान पर जापान ने 20 स्वर्ण , 12 रजत एवं 13 कांस्य पदक के साथ कुल 45 पदक जीते। चौथे पायदान पर रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कुल 53 पदक जीते जिनमें 18 स्वर्ण , 19 रजत एवं 16 कांस्य पदक है।

इसी तरह मेजबान फ्रांस 16 स्वर्ण , 25 रजत एवं 22 कांस्य पदक के साथ पांचवे स्थान पर रहा। भारत ने एक रजत एवं पांच कांस्य पदक जीते है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को सात पदक मिले थे। छठे स्थान पर रहते हुए नीदरलैंड ने 15 स्वर्ण , सात रजत एवं 12 कांस्य पदक के साथ कुल 34 पदक जीते। ग्रेट

ब्रिटेन 14 स्वर्ण 22 रजत एवं 29 कांस्य पदक के साथ 65 पदक जीतकर सातवें स्थान पर, दक्षिण कोरिया 13 स्वर्ण, नौ रजत एवं 10 कांस्य पदकों के साथ कुल 32 पदकों के साथ आठवें स्थान पर रहा। इटली 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं 15 कांस्य पदकों के कुल 40 पदक जीतकर नौवें स्थान एवं जर्मनी 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं आठ कांस्य के साथ कुल 33 पदक जीतकर दसवें स्थान पर रहा।

भारत पदक तालिका में कुल छह पदकों के साथ 71वें स्थान पर रहा है। भारत के लिए पेरिस 2024 में निशानेबाजी में मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग में कांस्य पदक जीतकर देश को पहला पदक दिलाया। इस तरह वह ओलंपिक निशानेबाजी में भारत की पहली पदक विजेता बन गईं। फाइनल में वह दक्षिण कोरिया की ओह ये जिन और किम येजी से पीछे रहीं।

मनु भाकर ने पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन खेलों में इतिहास रच दिया और वह एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के कुछ दिनों बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन दोनों ने टीम पदक के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वियों को हराया।

इसी तरह निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस 2024 में भारत के लिए तीसरा पदक जीता। इसी के साथ भारत ने ओलंपिक में किसी एक संस्करण में देश के लिए शूटिंग में सबसे अधिक पदक जीते। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन तीन पदकों ने लंदन 2012 में निशानेबाजी में जीते गए भारत के दो पदकों के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, यह ओलंपिक में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन शूटिंग इवेंट में पहला पदक था।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा पदक जीता। यह भारतीय हॉकी का 1968, 1972 और 2020 खेलों के बाद चौथा ओलंपिक कांस्य पदक था और उनका कुल मिलाकर 13वां ओलंपिक पदक। पेरिस में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह कुल दस गोल किए। मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष भाला फेंक फाइनल में अपने टोक्यो 2020 खिताब का बचाव करने से ज़रूर चूक गए।

नीरज का आलीशान घर, लग्जरी गाड़ियों और बाइक के लिए अलग पार्किंग

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारत के स्टार जैवलिन थ्रो खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में देश के लिए सिल्वर मेडल जीता। आजादी के बाद नीरज देश के पहले एथलीट हैं जिन्होंने दो मेडल जीते हैं। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीता था। ओलंपिक चैंपियन बनने के बाद नरीज पर करोड़ों रुपये की बरसात हुई। नीरज ने इन पैसों से अपने गांव में आलीशान घर बनाया है। ये घर किसी एक्टर या नेता के घर से कम नहीं है। वहीं नीरज के घर का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। नीरज के घर के बाहर नेमप्लेट पर लिखा हुआ है। साथ ही वासुधेव कुंटबकम लिखा है। वहीं घर के अंदर घुसते ही पार्किंग नजर आएगी। इस पार्किंग में कई लग्जरी गाड़ियां हैं, इसमें महिंद्रा थार, रेंर रोवर, मशटैंग जैसी कारें शामिल हैं। जबकि इसके अलावा बाइक्स के लिए अलग से पार्किंग है। नीरज चोपड़ा के घर के आंगन में ही एक बड़ा मंदिर भी है। पूरे घर में पेड़ पौधे हैं और हर तरफ हरियाली है। घर के पीछे की ओर बैठक बनी हुई है। यहां ऊपर डिजाइनर लाइट्स लगी हैं साथ ही नीचे सफेद रंग के सोफे हैं और बगल में एक पूल टेबल भी है। जमीन पर हरी घास भी नजर आ रही है। नीरज के बहुमंजिला के घर के सबसे ऊपर तिरंगा लगा हुआ है।

आईओसी ने अभिनव बिंद्रा को किया ओलंपिक ऑर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय समिति ने ओलंपिक ऑर्डर अवॉर्ड से सम्मानित किया। पेरिस में जारी 142वें आईओसी सक्ष के दौरान उन्हें इस अवॉर्ड से नवाजा गया। उनसे पहले भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1983 में इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय समिति ने ओलंपिक ऑर्डर अवॉर्ड से सम्मानित किया। पेरिस में जारी 142वें आईओसी सक्ष के दौरान उन्हें इस अवॉर्ड से नवाजा गया। उनसे पहले भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1983 में इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

था। बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में टॉप स्थान हासिल करके भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत गोल्ड मेडलिस्ट बने बिंद्रा को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने सम्मानित किया। बिंद्रा ने कहा कि, जब मैं छोटा था तो ये ओलंपिक रिंग्स ही थे, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया।

आईओसी खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष बिंद्रा ने कहा कि ये पुरस्कार उन्हें और भी अधिक मेहनत करने और ओलंपिक आंदोल में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, और दो दशक से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के बाद, ओलंपिक आंदोल में योगदान देने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत बड़ा जुनून रहा है।

बीस भारतीय एथलीटों को ओलंपिक में ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला

पेरिस, 11 अगस्त। भारत की ओर से ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय ध्वजवाहक बनने वाले पहले एथलीट पुरमा बनर्जी के बाद अब तक बीस एथलीटों को यह सम्मान मिला है। हॉकी खिलाड़ियों को सबसे अधिक छह बार यह सम्मान हासिल हुआ है। बेल्जियम के हुये एंटवर्प ओलंपिक 1920 में 400 मीटर धावक पुरमा बनर्जी को पहला भारतीय ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला था। ग्रीष्मकालीन खेलों में एक देश का ध्वजवाहक राष्ट्र के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है और इसे ओलंपिक आदर्शों के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यह भविष्य के लिए एक प्रेरणा या रोल मॉडल हो सकता है। वर्षों से भारत के लिए ओलंपिक ध्वजवाहक अपने-अपने खेलों के अग्रणी खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कई बार अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। उनकी पहचान भारत के महान खिलाड़ियों के रूप में होती है। आजाद भारत में लंदन ओलंपिक 1948 के पहले ध्वजवाहक होने का सम्मान भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के प्रेरणादायक पहले कप्तान डॉ. तालीमरीन एओ को मिला। लेकिन इनमें से केवल आठ ही ऐसे एथलीट्स हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। देश के एकमात्र पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा रियो ओलंपिक 2016 में भारत के ध्वजवाहक थे। यह उनका आखिरी ओलंपिक भी था। ध्वजवाहकों में अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में 1932 ओलंपिक हॉकी टीम के कप्तान लाल चंद भोकरी, जादूगर ध्यान चंद, दिग्गज बलबीर सिंह सीनियर और जफर इकबाल भी शामिल हैं।

मनु भाकर-सरबरोज सिंह को मिला सरकारी नौकरी का ऑफर

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारत को पेरिस ओलंपिक 2024 में शूटिंग से तीन मेडल मिले। भारत को सरबजोत सिंह और मनु भाकर ने ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। मनु और सरबजोत सिंह ने हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुलाकात की। इन दोनों को हरियाणा सरकार ने नौकरी का ऑफर दिया है। लेकिन दोनों ही नौकरी करने से इंकार कर दिया है। सरबजोत और मनु ने नौकरी का ऑफर न स्वीकार करने का कारण भी बताया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया कॉर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ ने इस मसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, इन दोनों खिलाड़ियों को नौकरी जॉइन करना मुश्किल है। ये दोनों मेडल के लिए खेल रहे हैं। मनु और सरबजोत सिंह का कहना है कि वे दोनों गोल्ड मेडल के लिए खेल रहे हैं, न की नौकरी के लिए, मनु और सरबजोत को खेल विभाग में डिप्टी डायरेक्टर की पोस्ट ऑफर की गई थी, इन दोनों से पहले और भी एथलीट्स को

नौकरी का ऑफर मिल चुके हैं। अगर मेडल टैली पर नजर डालें तो इसमें चीन सबसे ऊपर है। चीन ने कुल 90 मेडल जीते हैं, इसमें 39 गोल्ड, 27 सिल्वर और 24 ब्रॉन्ज हैं। दरअसल, मेडल टैली में सबसे ज्यादा गोल्ड जीतने वाला देश सबसे ऊपर रहता है। यूएसए दूसरे नंबर पर है। उसने 38 गोल्ड समेत 122 मेडल जीते हैं। इसमें 42 सिल्वर और 42 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। ऑस्ट्रेलिया 18 गोल्ड मेडल के साथ 18 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

पहली ग्रांट से रिपेयर होगा जीएनडीयू का एस्ट्रो टर्फ : औजला

अमृतसर, 11 अगस्त। पंजाब के अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने रविवार को कहा कि वह पहली ग्रांट आने पर श्री गुरु नानक देव युनिवर्सिटी (जीएनडीयू) में 25 लाख के खर्च से एस्ट्रो टर्फ की मरम्मत कराएंगे और हर साल एक टर्फ बनाया जाएगा ताकि खिलाड़ी मन लगाकर खेल सकें। औजला ने आज ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर वापिस आयी नैशनल हॉकी टीम का श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्वागत करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने बेहद उत्साह के साथ पंजाब का और देश का नाम ऊंचा किया है। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए एक करोड़ की घोषणा होने पर कहा कि पिछली बार कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार में भी पहले विजेता टीम के लिए एक करोड़ की घोषणा की थी लेकिन मैंने खुद जोर देकर उसे दो करोड़ 51 लाख रु कराया था। उन्होंने कहा कि वह खुद खिलाड़ी रहे हैं और जानते हैं कि दिन रात की मेहनत के बाद ही जीत हासिल हो पाती है। औजला ने कहा कि पंजाब में नशे के दरिया को रोकने के लिए खेलों को प्रोमोट करना बेहद जरूरी है। इसीलिए जब हरियाणा खिलाड़ियों को ढाई करोड़ दे रहा है तो पंजाब के खिलाड़ियों को भी ढाई करोड़ मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह खिलाड़ी हर किसी के लिए मिसाल के रुप में उभरे है और इन्हें देखकर ही युवकों को प्रेरणा लेनी चाहिए। आने वाली पीढ़ी को खेलों के प्रति रुचि दिखानी चाहिए ताकि वह अपनों का और देश का नाम रोशन कर सकें।

विश्व स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि को बढ़ाया : अवस्ती

सोलन, 11 अगस्त। हिमाचल प्रदेश के मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी ने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने न केवल विश्व स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि को बढ़ाया है अपितु विभिन्न स्तरों की प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों को दी जानी वाली डाईट मनी में भी वृद्धि की है। अवस्थी रविवार को अर्की विधानसभा क्षेत्र के राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में 14 वर्ष से कम आयुवर्ग की तीन दिवसीय खण्ड खेल-कूद प्रतियोगिता के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे।

अवस्थी ने कहा कि खेल व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र एवं प्रदेश की छवि को सशक्त बनाने का बेहतर माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को बेहतर खेल अधोसंरचना एवं प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। ओलपिंक्स खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर दी जानी वाली पुरस्कार राशि तीन करोड़ रुपए से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपए, रजत पदक जीतने पर पुरस्कार राशि दो करोड़ रुपए से बढ़ाकर तीन करोड़ रुपए तथा कांस्य पदक जीतने पर पुरस्कार राशि को एक करोड़ रुपए से बढ़ाकर दो करोड़ रुपए किया गया है। उन्होंने कहा कि एशियन खेलों और राष्ट्र मण्डल खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में भी वृद्धि की गई है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तरों की प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों को दी जाने वाली डाईट मनी में आशातीत वृद्धि की गई है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाना है अपितु उन्हें भविष्य की चिंता से मुक्त भी करना है।

अवस्थी ने अध्यापकों और छात्रों से आग्रह किया कि एक खेल में उत्कृष्ट बनें ताकि उनकी प्रतिभा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सके। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर किए जाने वाले कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि हार से निराश न हों अपितु हार से सबक लेकर अपनी गल्तियों को सुधारते हुए जीत प्राप्त करना का प्रयास करें।

मुख्य संसदीय सचिव ने कहा कि खिलाड़ी समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत होते है और नशे के विरुद्ध खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास युवाओं को नशे से दूर रखने में सहायक होंगे। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हिमाचल को नशा मुक्त बनाने में प्रदेश सरकार के प्रयासों को सहयोग दें।

अवस्थी ने राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अर्की में शौचालय निर्माण के लिए 23 लाख रुपए प्रदान करने तथा छत की मुरम्मत के लिए प्राकलन अनुसार धनराशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजकों को 21 हजार रुपए देने की घोषणा भी की।

उन्होंने इस अवसर पर सभी को विश्वास दिलाया कि अर्की विधानसभा क्षेत्र का समुचित विकास उनकी प्राथमिकता है और विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। आज से आरम्भ हुई इस तीन दिवसीय खण्ड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 18 विद्यालयों के 210 छात्र भाग ले रहे हैं। कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन और मार्चपास्ट इत्यादि खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

डॉ. मनीष अग्रवाल अध्यक्ष व अरुण प्रताप सिंह बने सचिव

मुकेश अग्रवाल बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ललित गुप्ता सहित चार उपाध्यक्ष बने, जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 11 अगस्त। रविवार को संडे होटल में संपन्न हुये जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनावों में डा. मनीष अग्रवाल अध्यक्ष पद पर तथा अरुण प्रताप सिंह मानद सचिव पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुये। जबकि सीए मुकेश अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुये। ललित गुप्ता, सुब्रत सेन, आशीष जैन व अनिरुद्ध सिंह राजावत उपाध्यक्ष चुने गये।

इन चुनावों में जिला क्रीड़ा परिषद् की ओर से राजेश कुमार टेलर, जयपुर जिला ओलम्पिक संघ की ओर से भंवर लाल शर्मा, राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ की ओर से चंद्रवीर सिंह राजावत पर्यवेक्षक के रुप में मौजूद थे। चुनाव अधिकारी रिटायर्ड खेल अधिकारी महेश चंद सैनी थे। यह चुनाव राजस्थान स्पोर्ट्स एक्ट-2005 व नेशनल

स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड-2011 के प्रावधानों के तहत हुए है। निवर्तमान सचिव यश प्रताप सिंह ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का माला पहनाकर स्वागत किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष डा. मनीष अग्रवाल ने कहा कि जल्दी ही कार्यकारिणी की बैठक आयोजित कर आगामी टूर्नामेंटों की रूपरेखा तैयार की जायेगी। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी : अध्यक्ष: डा. मनीष अग्रवाल। वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मुकेश अग्रवाल। उपाध्यक्ष: ललित गुप्ता, सुब्रत सेन, आशीष जैन, अनिरुद सिंह राजावत। मानद सचिव: अरुण प्रताप सिंह। कोषाध्यक्ष: लोकेश शर्मा। संयुक्त सचिव: महिवर्दन सिंह, विनोद बालोदिया, पीयूष तिवारी, हर्षवर्धन सिंह सोलंकी। कार्यकारिणी सदस्य: दीपक गुप्ता, मोहित शर्मा, दीपेंद्र प्रधान, अभिनव पालीवाल।